कपास की खेती के लिए 27वां साप्ताहिक परामर्श, 10 दिसम्बर से 16 दिसम्बर, 2024 तक

राजस्थान		पिछले सप्ताह की वास्तविक वर्षा (मिमी)					अगले सप्ताह में अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		दिसम्बर					दिसम्बर				
		06	07	08	09	10	12	13	14	15	16
	अजमेर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	जोधपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	नागौर						0	0	0	0	0
	पाली	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	श्री गंगानगर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 to 2.4 मिमी		2.5 to 15.5 मिमी		15.6 to 64.4 मिमी		64.5 to 115.5 मिमी		115.6 to 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:
दक्षिणी राजस्थान (बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद और उदयपुर) के सभी खेतों में कपास की फसल पूरी हो चुकी है।
श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में कपास चुनाई का कार्य लगभग पूरा हो चुका है।

सलाह:
कपास के डंठलों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर खाद के गड्ढों में दबा कर खाद बनाने में उपयोग करें। खेतों में रोगज़नक़ों के प्रसार को रोकने के लिए खेत से रोगग्रस्त बीजकोषों और फसल के अवशेषों को इकट्ठा करने और नष्ट करने का सुझाव दिया जाता है।

श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में, किसानों को बाजार में अच्छी कीमत पाने के लिए कपास को साफ और सूखा चुनने की सलाह दी जाती है। खेतों में रोगज़नक़ों के प्रसार को रोकने के लिए खेत से रोगग्रस्त बीजकोषों और फसल के अवशेषों को इकट्ठा करने और नष्ट करने का सुझाव दिया जाता है।

मध्य प्रदेश		पिछले सप्ताह की वास्तविक वर्षा (मिमी)					अगले सप्ताह में अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		दिसम्बर					दिसम्बर				
		06	07	08	09	10	12	13	14	15	16
	खरगाँव										
	धार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	खांडवा										
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 to 2.4 मिमी		2.5 to 15.5 मिमी		15.6 to 64.4 मिमी		64.5 to 115.5 मिमी		115.6 to 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:
खंडवा में, बोई गई फसल गूलर प्रसफुटन/चुनने की अवस्था में है। कई क्षेत्रों में चुनाई का कार्य चल रहा है। खंडवा में, बोई गई फसल गूलर प्रसफुटन/चुनने की अवस्था में है। कुछ क्षेत्रों में चुनाई का कार्य चल रहा है। खेतों में गुलाबी बॉलवॉर्म का संक्रमण (ईटीएल के नीचे) देखा गया है। कुछ स्थानों पर बैक्टीरियल ब्लाइट, कोरिनेस्पोरा पत्ती धब्बा, दहिया रोग और सर्कोस्पोरा पत्ती धब्बे की घटनायें देखी गई हैं।

सलाह:
खंडवा में, जब भी गुलाबी सूँडी की संख्या ईटीएल को पार कर जाए, तो किसी भी कीटनाशक जैसे साइपरमेथ्रिन 10% ईसी @250 मिली/एकड़ या साइपरमेथ्रिन 25% ईसी @ 100 मिली/एकड़ या लैम्ब्डा साइहलोथ्रिन 5% ईसी @ 200 मिली/एकड़ या डेल्टामेथ्रिन 2.8 ईसी@ 200 मिली/एकड़ या फेनप्रोपेथ्रिन 10% ईसी @350 मिली/एकड़ या फेनवेलरेट 20% ईसी @200 मिली/एकड़ या अल्फासाइपरमेथ्रिन 10% ईसी @120 मिली/एकड़ का छिड़काव करें। ।कपास में बोल सड़न रोग और कवक

पत्ती धब्बों के प्रबंधन के लिए (कार्बेन्डाजिम 12%+मैन्कोजेब 63% WP) @3.0 ग्राम/लीटर या प्रोपीनेब 70% WP @2.5-3 ग्राम/लीटर या प्रोपिकोनाजोल 25 EC @1 मिली/लीटर या कार्बेन्डाजिम 50 WP @1.0 ग्राम/लीटर पानी का पत्ते पर छिड़काव करें। कपास की चुनाई करते समय उचित सावधानी बरतें, जैसे तेज धूप में ओस सूखने के बाद ही चुनाई शुरू करनी चाहिए। बैक्टीरियल लीफ ब्लाइट के प्रबंधन के लिए *स्यूडोमोनास फ्लोरोसेंस* 0.5% WP@0.2% का पत्ते पर छिड़काव करने का सुझाव दिया जाता है। ग्रे फफूंदी/दहिया रोग को नियंत्रित करने के लिए, (कार्बेन्डाजिम 12% + मैनकोजेब 63% WP) @30 ग्राम या (एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 18.2% w/w +डिफेनोकोनाज़ोल 11.4% w/w SC @)10 मिली या क्रेसॉक्सिम-मिथाइल 44.3% SC@10 मिली/10 लीटर पानी का पत्तियों पर छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। जिन खेतों में कपास की फसल पूरी हो चुकी है, वहां रबी फसल की बुआई हो चुकी है. इन क्षेत्रों में कपास के पौधों के डंठल खेतों में न रखें। दिसम्बर के अंत तक फसल समाप्त कर फसल अवशेष को नष्ट कर दें। यदि सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो तो रबी की फसल, फसल चक्र के रूप में लें।

द्वारा अनुवादित: डॉ पूजा वर्मा एवं डॉ रचना पांडे